दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (10–15 पंक्ति उत्तर सहित)

---

1. जनन स्वास्थ्य से आप क्या समझते हैं? इसका महत्व लिखिए।

उत्तर:
जनन स्वास्थ्य का अर्थ है जनन तंत्र से संबंधित शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक रूप से स्वस्थ होना। इसका उद्देश्य स्वस्थ मातृत्व, शिशु सुरक्षा तथा परिवार कल्याण है। इससे रोगों की रोकथाम, सुरक्षित प्रसव, उचित परिवार नियोजन तथा जनसंख्या नियंत्रण संभव होता है। जनन स्वास्थ्य कार्यक्रम लोगों को यौन शिक्षा, गर्भनिरोधक, STI की रोकथाम और मातृ-शिशु देखभाल की जानकारी देता है। इससे समाज स्वस्थ एवं जागरूक बनता है।

---

2. गर्भनिरोधक विधियों का वर्गीकरण एवं वर्णन कीजिए।

उत्तर:
गर्भनिरोधक विधियाँ मुख्यतः प्राकृतिक, बाधा, हार्मोनल, IUCD तथा शल्य विधियों में बाँटी जाती हैं। प्राकृतिक विधियों में आवधिक संयम व स्तनपान शामिल हैं। बाधा विधियों में कंडोम व डायाफ्राम शुक्राणुओं को रोकते हैं। हार्मोनल गोलियाँ अंडोत्सर्जन रोकती हैं। IUCD जैसे कॉपर-टी गर्भाशय में निषेचन रोकते हैं। शल्य विधियों में वेसक्टॉमी व ट्यूबेक्टॉमी स्थायी उपाय हैं।

---

3. जनसंख्या विस्फोट के कारण एवं नियंत्रण के उपाय लिखिए।

उत्तर:
जनसंख्या विस्फोट का मुख्य कारण मृत्यु दर में कमी और जन्म दर अधिक होना है। चिकित्सा सुविधाओं के कारण जीवन प्रत्याशा बढ़ी है। अशिक्षा और जागरूकता की कमी भी कारण है। नियंत्रण हेतु परिवार नियोजन, गर्भनिरोधक साधन, विवाह की उचित आयु, महिला शिक्षा तथा सरकारी कार्यक्रम आवश्यक हैं।

---

4. चिकित्सीय गर्भसमापन (MTP) क्या है? इसकी आवश्यकता व सावधानियाँ बताइए।

उत्तर:
गर्भावस्था को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करना MTP कहलाता है। यह अवांछित गर्भ, बलात्कार या माँ के स्वास्थ्य खतरे की स्थिति में किया जाता है। इसे प्रशिक्षित चिकित्सक द्वारा निर्धारित अवधि में ही करना चाहिए। असुरक्षित गर्भसमापन से संक्रमण व मृत्यु का खतरा रहता है। इसलिए कानूनी व सुरक्षित प्रक्रिया आवश्यक है।

SOLANKI SIR ACADEMY

5. यौन संचारित रोग (STI/STD) क्या हैं? इनके लक्षण व बचाव लिखिए।

उत्तर:

यौन संपर्क से फैलने वाले रोग STI कहलाते हैं। जैसे गोनोरिया, सिफिलिस, एड्स आदि। इनके लक्षणों में खुजली, जलन, असामान्य स्राव व दर्द शामिल हैं। बचाव हेतु सुरक्षित यौन संबंध, कंडोम का उपयोग, एक ही साथी तथा समय पर जाँच आवश्यक है।

---

6. HIV/AIDS का संचरण एवं रोकथाम समझाइए।

उत्तर:

HIV असुरक्षित यौन संबंध, संक्रमित रक्त, सुई तथा माता से शिशु में फैलता है। यह प्रतिरक्षा तंत्र को कमजोर करता है। रोकथाम हेतु कंडोम का प्रयोग, रक्त जाँच, सुरक्षित सुई तथा जागरूकता आवश्यक है।

---

7. बाँझपन के कारण एवं उपचार बताइए।

उत्तर:

बाँझपन पुरुष या महिला दोनों में हो सकता है। कारणों में हार्मोन असंतुलन, संक्रमण, अवरुद्ध नलिकाएँ या शुक्राणु कमी शामिल हैं। उपचार में दवाएँ, शल्य चिकित्सा व सहायक प्रजनन तकनीकें प्रयोग की जाती हैं।

SOLANKI SIR ACADEMY

---

8. IVF (टेस्ट ट्यूब बेबी) तकनीक का वर्णन कीजिए।

उत्तर:

IVF में अंडाणु व शुक्राणु का निषेचन शरीर के बाहर प्रयोगशाला में किया जाता है। बने भ्रूण को गर्भाशय में स्थानांतरित किया जाता है। यह बाँझ दंपतियों के लिए उपयोगी तकनीक है।

---

9. ICSI एवं IUI तकनीक समझाइए।

उत्तर:

ICSI में एक शुक्राणु को सीधे अंडाणु में प्रवेश कराया जाता है। IUI में शुक्राणु को कृत्रिम रूप से गर्भाशय में डाला जाता है। ये दोनों तकनीकें प्रजनन में सहायता करती हैं।

---

10. जनन स्वास्थ्य कार्यक्रमों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:

जनन स्वास्थ्य कार्यक्रम लोगों में जागरूकता फैलाते हैं। परिवार नियोजन, टीकाकरण, प्रसव पूर्व देखभाल, STI रोकथाम तथा मातृ-शिशु सुरक्षा प्रदान करते हैं। ये कार्यक्रम स्वस्थ व संतुलित समाज निर्माण में सहायक हैं।

SOLANKI SIR
ACADEMY